भेड़ और बकरी उत्पादन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए राजुवास द्वारा 2 माह की अवधि के कुछ सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप तैयार किया गया। यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात इच्छुक लाभार्थियों को उन्नत ज्ञान हासिल करने का अवसर प्राप्त होगा। इन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप ऐसा है कि यदि कोई भी व्यक्ति इन्हें सफलतापूर्वक पूर्ण कर ले तो स्वयं का फार्म स्थापित करने में सक्षम होगा। वह व्यक्ति जो आठवीं स्तर तक शिक्षित हैं, इन पाठ्यक्रमों हेतु नामांकन के लिए पात्र होगा।

1. **पाठ्यक्रम का नाम :** भेड़ और बकरी उत्पादन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
2. **उद्देश्य :** निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ इस पाठ्यक्रम का प्रयोजन ऐसे उद्यमियों को विकसित करना है जो वैज्ञानिक दृष्टि से फार्म अथवा इकाई की स्थापना एवं प्रबंधन कर सकें।
   - **अ.** यवा किसानों तथा उद्यमियों की दक्षता वृद्धि
   - **ब.** युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करना
   - **स.** पशुपालन कार्यक्रम के प्रति युवाओं की रूचि बढाना
   - **द.** प्रतिभागियों को वैज्ञानिक तथा संगठित फार्म से सम्बंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना
3. **प्रवेश योग्यता** – मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा आठवीं कक्षा उतीर्ण अथवा समकक्ष
4. **समय अवधि** – दो माह।
5. **न्यूनतम सीट** – 5 (आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जा सकता है।)
6. **शुल्क राशि** – 1000/– रू. प्रतिमाह
7. **पाठयक्रम का माध्यम** – हिन्दी
8. **परीक्षा की विधि** – संबंधित केन्द्रों पर सामान्य परीक्षा लेकर प्रशिक्षणार्थी की योग्यता जांच की जायेगी, सफल प्रशिक्षणार्थी को पाठ्यक्रम समाप्ति पर प्रमाणपत्र वितरित किये जायेगें।
9. **प्रवेश प्रक्रिया**– विश्वविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों, धीणे री बात्यां रेडियो कार्यक्रम व विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से इन पाठ्यक्रमों की सूचना दी जाएगी तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम पाँच आवेदन प्राप्त होने पर उनका पाठ्यक्रम अनुदेशक से मूल्यांकन करवा कर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा।
10. **अनुशासन नियमावली** – विश्वविद्यालय के नियमानुसार।
11. **संपर्क सूत्र** – प्रा. बंसत बैस, आचार्य, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग,
    डॉ. मोहन लाल गोदारा, सहायक आचार्य, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर मो. 9414603842

12. **पाठ्यक्रम** – निम्नानुसार

सैद्धांतिक पाठ्यक्रम

1. भेड़ और बकरी का सामान्य प्रबंधन
2. भेड और बकरी का आर्थिक महत्व और उनके उत्पाद
3. भेड़ों और बकरी के शरीर के विभिन्न भागों की पहचान करना
4. राजस्थान राज्य में भेड और बकरी की विभिन्न नस्लों एवं उनके आवास, गुणों की जानकारी, संकर नस्लों एवं विदेशी नस्लों की जानकारी
5. पशु–प्रबध, सामान्य जानकारी जैसे भेड और बकरी की संभाल और नियंत्रण
6. छोटे रोमंथी पशुओं का दंतोद्भेदन और आयु निर्धारण
7. भेड़ और बकरी का भार तोलने की विधियाँ
8. कर्ण टेगिन्ग, कर्ण छेदन आदि द्वारा भेड़ और बकरी के पहचान की विधियाँ
9. पशुओं का सामान्य तापक्रम, नब्ज और श्वसन
10. भेड़ और बकरी के लिए टीकाकरण कार्यक्रम
11. भिन्न कृषि–जलवायु परिस्थितियों में भेड़ और बकरी के विभिन्न प्रकार के आवास और पालन–पोषण प्रणालियां
12. पशुशाला की स्वच्छता एवं सफाई व्यवस्था पशु मल और अन्य कचरे का निपटान, ठोस व द्रव खाद की निपटान पद्धतियां और खाद का पुनरू चक्रण एवं उसका उपयोग।
13. भेड़ों और बकरी की प्रसव के दौरान एवं उसके बाद देखभाल और प्रबंध, प्रसव के संकेत और लक्षण, आंवल का गिरना और प्रसव पश्चात् देखभाल
14. जन्म से पहले एवं पश्चात् मेमने की देखभाल और प्रबंधन, उनकी पहचान, बंध्यकर्ण और बीमारियों से बचाव.
15. विभिन्न दस्तावेजों का अभिलेखन एवं संधारण

<u>प्रायोगिक</u>

चार्ट, मॉडलों और मूलभूत प्रयोगशाला की सुविधाएं और फार्म प्रथाओं के माध्यम से निम्नलिखित का आरम्भिक व्यावहारिक अध्ययन

1. पशुशाला में पशुओं का प्रबंधन एवं निग्रहण.
2. छोटे रोमंथीयों का तोलन एवं पहचान
3. नर मेमनों का बधियाकरण
4. सामान्य तापक्रम, नब्ज और श्वसन का अभिलेखन, भेड व बकरी के विभिन्न शारीरिक अंगों का परिचय
5. भेड़ व बकरी फार्म का भ्रमण